

ZINC SMELTER IN RAJASTHAN

3748. SHRI SRADHAKAR SUPAKAR: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Zinc Smelter in Rajasthan is not working to its full capacity on account of scarcity of ores; and

(b) the steps taken to remedy the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) and (b). No, Sir. The Zinc Smelter is at present working at its full capacity and its requirements of zinc concentrates are being met from the present production of the mines as well as from the stock accumulated prior to the commissioning of the plant. To overcome the difficulty that may arise when the accumulated stocks are exhausted in about 6 to 7 months, steps have been initiated to increase the production of ore/concentrates from the mines. Action is also being taken to explore possibilities of importing zinc concentrates from abroad to the extent necessary to meet any short-fall.

DURGAPUR STEEL PLANT

3749. SHRI SRADHAKAR SUPAKAR: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether a team of experts from the United Kingdom visited the Durgapur Steel Plant for working out its expansion programme; and

(b) when further expansion of the plant is likely to take place and at what cost ?

THE MINISTER OF STEEL, MINES AND METALS (DR. CHANNA REDDY) : (a) No, Sir.

(b) At present there is no proposal for further expansion of Durgapur Steel Plant.

बैटरी के सैलों की कमी

3750. श्री निहाल सिंह : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजधानी तथा

देश में बैटरी तथा टार्च सैल और रेडियो के सैल नहीं मिल रहे हैं ;

(ख) यदि हाँ, तो सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ;

(ग) जिन कारखानों ने गत दो वर्षों में विदेशों को इन सैलों का निर्यात किया है उनके नाम क्या हैं तथा कितनी राशि के सैल उन्होंने निर्यात किये ; और

(घ) देश में इस समय सैलों का वार्षिक उत्पादन कितना है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). निर्माण करने वाले एक एकक में हड़ताल और तालाबन्दी के कारण पिछले वर्ष उत्पादन में कुछ कमी हुई, किन्तु अब सम्भरण स्थिति में काफी सुधार हो गया है। यहां यह भी कहा जा सकता है कि कमी विशेष किस्म के सैलों, जिसके उत्पादन पर हड़ताल के कारण प्रभाव पड़ा था, की अधिक कमी है। दो नये संयंत्रों—एक हैदराबाद और दूसरा इलाहाबाद में निर्माण शुरू हो जाने से स्थिति में सम्पूर्ण रूप से शीघ्र ही सुधार हो जाने की आशा है।

(ग) मेसर्स यूनिनयन कार्बाइड इण्डिया लि० एक मात्र निर्यातक हैं और इनके द्वारा 1965-66 में 55.61 लाख रुपये तथा 1966-67 में 53.74 लाख रु० के मूल्य का निर्यात किया गया था।

(घ) 1967 में 3144.7 लाख सैलों का उत्पादन किया गया।

उत्तर प्रदेश में रेलवे गैंगमैनों के लिये क्वार्टर

3751. श्री निहाल सिंह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गैंगमैनों के लिये जो क्वार्टर बनाये गये हैं, वे गांवों से दूर हैं और इस कारण वहां बहुत चोरियां होती हैं ;